हिंदी श्रुतलेख प्रतियोगिता एवं शुद्ध लेखन पर लघु कार्यशाला का आयोजन

सीएसआईआर - केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान, पिलानी में 25 फरवरी 2022 को हिंदी भाषी सहकर्मियों के लिए श्रुतलेख प्रतियोगिता तथा तदोपरांत शुद्ध लेखन पर लघु कार्यशाला का आयोजन किया गया। संस्थान में वर्ष पर्यन्त आयोजित की जाने वाली हिंदी प्रतियोगिताओं का शुभारंभ श्रुतलेख (हिंदी भाषी) प्रतियोगिता के साथ हुआ। प्रतियोगिता में संस्थान के नियमित प्रशासनिक व तकनीकी सहकर्मियों के साथ-साथ परियोजना कर्मी, जेआरएफ/एसआरएफ, प्रशिक्षणार्थी आदि सम्मिलित हुए। प्रतियोगिता के उपरांत आयोजन के संयोजक श्री रमेश बौरा, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी द्वारा प्रतिभागियों को सामान्य रूप से होने वाली अशुद्धियों की जानकारी देते हुए भाषा को सही व शुद्ध रूप से लिखने की जानकारी दी गई। नियमित व अस्थायी सहकर्मी वर्गों में आयोजित इस कार्यक्रम में 25 प्रतिभागी सम्मिलित हुए।

प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों को श्रुतलेखन कराते हुए
श्री रमेश बौरा, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी

संस्थान के एसीएसआईआर क्लास रूम – 1 में आयोजित कार्यक्रम के प्रथम चरण में श्रुतलेख (हिंदी भाषी) प्रतियोगिता तथा द्वितीय चरण में लघु कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें प्रतिभागी उत्साहपूर्वक सम्मिलित हुए। प्रतियोगिता के उपरांत श्री रमेश बौरा ने उपस्थित प्रतिभागियों को शुद्ध लेखन का महत्व बताते हुए कहा कि किसी भी भाषा की सही जानकारी होना और उसे सही और मानक रूप में लिखना बहुत महत्वपूर्ण है और जब बात हमारी अपनी भाषा की हो तो यह महत्वपूर्ण होने के साथ सही लेखन हमारा नैतिक ही नहीं राष्ट्रीय दायित्व भी हो जाता है।

कार्यशाला के दौरान श्रुतलेख प्रतियोगिता के प्रश्न पत्र पर चर्चा करते हुए उन्होंने प्रतिभागियों की जिज्ञासा व शंकाओं का समाधान किया। इसके अतिरिक्त कार्यशाला में हिंदी भाषा के मानकीकरण के लिए भारत सरकार के केंद्रीय हिंदी निदेशालय व अन्य संस्थाओं द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर भी प्रकाश डाला।

प्रतियोगिता व कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागी

अंत में उन्होंने प्रतियोगिता के आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कंप्यूटर क्रांति के इस दौर में हमारी लिखने की आदत भी खत्म हो रही है जिससे भाषा का सही व शुद्ध लेखन भी प्रभावित हो रहा है। नए साथियों का आह्वान करते हुए उन्होंने आशा व्यक्त की कि प्रतियोगिता व कार्यशाला के प्रतिभागी अवश्य लाभान्वित हुए होंगे तथा भविष्य में भाषा लेखन में होने वाली सामान्य त्रुटियों से बचेंगे।

अंत में उन्होंने सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया।